

26.09.2019

न्यायालय अन्तर्गत उपसमाहर्ता, भूमि सुधार, साहेबगंज।

मुटेशन अपील वाद सं०-०७/२०१७-१८

भोला मंडल-बनाम-यमुना मंडल

अपीलार्थीभोला मंडल, पिता-स्व० गोविन्द मंडल, सा०-जयन्तिग्राम,
महादेवगंज, थाना-साहेबगंज (मु०), अंचल-साहेबगंज,
जिला-साहेबगंज, झारखण्ड।विपक्षी(उत्तरवादी)यमुना मंडल, पिता-हीरा मंडल, सा०-जयन्तिग्राम, महादेवगंज,
थाना-साहेबगंज (मु०), अंचल-साहेबगंज, जिला-साहेबगंज,
झारखण्ड।-: आदेश :-

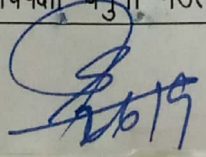
यह अपीलवाद अपीलार्थी के विज्ञ अधिवक्ता द्वारा दाखिल आवेदन पत्र के आलोक में दिनांक-२३.१०.२०१७ को अंचल अधिकारी, साहेबगंज के मुटेशन वाद के आदेश तिथि-२०.०२.१६, मुटेशन वाद सं०-३८१/२०१५-१६ के विरुद्ध प्रारंभ किया गया। उभय पक्ष को नोटिस निर्गत करते हुए निम्न न्यायालय से मूल अभिलेख की मांग की गई। मूल अभिलेख अंचल अधिकारी, साहेबगंज ने पत्रांक-४९०/रा०, दिनांक-२२.०६.२०१९ द्वारा उपलब्ध कराने के उपरान्त उभय पक्ष के विज्ञ अधिवक्ता का बहस सुना।

अपीलार्थी के विज्ञ अधिवक्ता का कहना है कि मौजा-लालबथानी, ज०नं०-१०१ में खतियानी रैयत गुजाई मंडल के नाम से कुल रकवा-०८-००-०० (आठ बीघा) धूर जमीन था। गुजाई मंडल के दो पुत्र-गोविन्द मंडल एवं हीरा मंडल था। खतियानी रैयत गुजाई मंडल की मृत्यु परान्त दोनों पुत्र संयुक्त रूप से उत्तराधिकारी के हक से उक्त ०८ (आठ) बीघा भूमि प्राप्त हुआ। हीरा मंडल की मृत्यु के पश्चात् गोविन्द मंडल (हीरा मंडल का भाई) ने ०८ (आठ) बीघा जमीन में से मात्र ०२ (दो) बीघा भूमि अपना बेटा भोला मंडल (अपीलार्थी) को निबंधित केवाला सं०-३१११/८५ एवं अपने भाई का बेटा यमुना मंडल (विपक्षी-उत्तरवादी) को ०६ (छः) बीघा जमीन निबंधित केवाला सं०-३११०/८५ द्वारा हिस्से के रूप में दे दिया। इस तरह दोनों अपने-अपने हिस्से की जमीन में शांतिपूर्वक दखलकार हो गये।

पुनः विपक्षी (यमुना मंडल) ने अपने हिस्से की प्राप्त भूमि ०६ (छः) बीघा में से ०३ (तीन) बीघा जमीन सियाराम मंडल को निबंधित केवाला सं०-३९७३/९० द्वारा बेच दिया गया। विपक्षी यमुना मंडल के पास ०३ (तीन) बीघा भूमि बेचने के पश्चात् अवशेष भूमि मात्र ०३ (तीन) बीघा ही बचा। उत्तरवादी द्वारा अवशेष भूमि ०३ (तीन) बीघा जमीन का मुटेशन नहीं कराकर अपितु भोला मंडल (अपीलार्थी) की भी ०२ (दो) बीघा जमीन अर्थात् कुल ०५ (पांच) बीघा जमीन का मुटेशन अपने नाम से करा लिया, जो बिल्कुल गलत और निराधार है।

इसके उत्तरस्वरूप विपक्षी के विज्ञ अधिवक्ता ने अपीलार्थी के विज्ञ अधिवक्ता के दलिल का समर्थन करते हुए स्वीकार किया है कि अंचल द्वारा भूलवश ०३ (तीन) बीघा के स्थान पर ०५ (पाँच) बीघा का नामान्तरण हो चुका है जिसमें सुधार की आवश्यकता है।

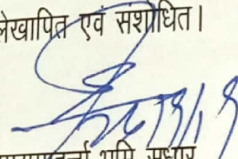
अतः उभय पक्ष के विज्ञ अधिवक्ताओं को सुनने के पश्चात् एवं अभिलेख में उपलब्ध कागजातों के अध्ययनोपरान्त मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचता हूँ कि अंचलाधिकारी, साहेबगंज द्वारा स्वीकृत किया गया मुटेशन निराधार एवं अवैध है क्योंकि विपक्षी के पास मात्र ०३ बीघा ही जमीन बिक्री के पश्चात् बचता है। विपक्षी यमुना मंडल द्वारा भोला मंडल का भी जमीन का




क्रमांक एवं
आदेश की तिथि
1

मुटेशन अपने नाम से करा लिया गया, जो गलत है। अतएव अपीलार्थी के अपील आवेदन-पत्र को स्वीकृत किया जाता है तथा अंचल कार्यालय, साहेबगंज का मुटेशन पारित आदेश तिथि 20.02.2016, मुटेशन वाद सं०-381/2015-16 को रद्द/खारिज किया जाता है। विपक्षी (उत्तरवादी) चाहे तो सक्षम न्यायालय में इस वाद के विरुद्ध अपील दायर कर सकते हैं। यह आदेश उभय पक्ष/उभय के विज्ञ अधिवक्ता को दिखायें।
अंतिम आदेश की प्रति के साथ निम्न न्यायालय का मूल अभिलेख अंचलाधिकारी, साहेबगंज को वापस किया जाता है। अभिलेख की कार्रवाई समाप्त (बन्द) किया जाता है।

लेखापित्र एवं सशोधित।


उपसमाहता भूमि सुधार,
साहेबगंज।

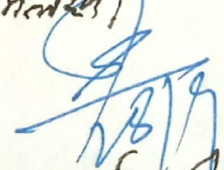

उपसमाहता भूमि सुधार,
साहेबगंज।

शा.पां.क. श्री.जी.शारदेवराज, दि०

प्रति लिखित :- अंचलाधिकारी साहेबगंज को
रद्दपत्रार्थ एवं आदेशपत्र कार्रवाई हेतु प्रेषित।

संलग्नता:-

1. अंतिम आदेश की प्रति लिखित।
2. सामान्य वाद सं. - 381/2015-16 (पहुला संदल,
पिन - 201 संदल, सा. - जयसिंह राम मंडादेवराज)
कुल - 09 (नौ) पत्रों में। मूल अभिलेख।


उपसमाहता भूमि सुधार,
साहेबगंज।
28.9.19